AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

जश्न में डूबी शाम

लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतिम दिन बुधवार को सांस्कृतिक संध्या में रंग बैंड ने प्रस्तुति दी। बैंड के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक तराने से लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। सांस्कृतिक संध्या में छात्राओं ने भी नृत्य, गायन व वादन की मोहक प्रस्तुतियों से लोगों को मंत्रमुग्ध किया।

आजादी की 100वीं वर्षगांठ तक की कार्ययोजना बनाए लविवि

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ विश्वविद्यालय को उसके शताब्दी वर्ष में आजादी की सौवीं वर्षगांठ तक की कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया है। विवि के 100वें स्थापना दिवस में वर्चुअली शामिल प्रधानमंत्री ने कहा कि लविवि को एक टीम बनाकर इस पर मंथन करना चाहिए कि आजादी की 100वीं जयंती के समय 2047 में यह कहां होगा और देश की उन्नति में क्या योगदान दे रहा होगा। उन्होंने विवि के सौ साल के गौरवशाली इतिहास के सहारे नया इतिहास गढ़ने की सीख दी।

यहां के पुराकालय और कैंटीन की बात कर उन्होंने पुराने दिनों को याद किया। लविवि के विभिन्न क्षेत्रों जैसे राजनीति, न्यायपालिका, खेल, सिनेमा आदि के कई दिग्गज दिए हैं। ऐतिहासिक कला प्रांगण को लेकर कहा कि यहां से सुभाषचंद्र बोस ने अपना सैनिकों तैयार करने का नारा दिया था। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि जब से लविवि से संबंधित किसी व्यक्ति से मिलते हैं तो लविवि का जिक्र होते ही उसकी आंखों की चमक देखने वाली होती है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि भले ही लविवि बहुत बदल गया हो पर अभी भी इसका अंदाज लखनऊ ही है। नई शिक्षा नीति में लविवि की भूमिका पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह आज सम्मान और गतिशीलता के निर्माण पर केंद्रित है। विवि न केवल उच्च शिक्षा का केंद्र है, बल्कि चरित्र निर्माण का पावरहाउस भी है। उच्च शिक्षा सत्र मंगलवार नीलिमा कटियार ने शताब्दी समारोह के लिए लविवि को बधाई दी।

लविवि के शताब्दी वर्ष समारोह में बोले प्रधानमंत्री मोदी

शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण सुनते लोग। कार्यक्रम को स्वाभंडी राजनाथ सिंह ने भी संबोधित किया।

कार्यक्षेत्र बढ़ने के साथ हो नये कोर्स पर काम

प्रधानमंत्री ने कहा कि लविवि का कार्यक्षेत्र कई जनपद तक बढ़ रहा है। उसे एक जनपद एक उत्पाद पर काम करते हुए उन जनपदों के स्थानीय उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उसमें संबंधित पाठ्यक्रम चलाये जा सकते हैं। इतना ही नहीं उन उत्पादों पर आधारित शोध, तकनीक तथा प्रबंधन भी लविवि को काम करना चाहिए।

बिना नाम लिए कांग्रेस पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री का भाषण पूरी तरह शताब्दी समारोह तथा युवाओं और शिक्षकों पर केंद्रित था। इस दौरान उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर, सामर्थ्य और नीयत की बात कही। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि लखनऊ के कुछ दूर रायबरेली में स्थित रेल कोच फैक्ट्री इसका उदाहरण है। मशीनें होने के बावजूद अभी तक यहां पर सिर्फ डेंटिंग-पेंटिंग का काम होता था। इंफ्रास्ट्रक्चर, सामर्थ्य और नीयत की वजह से उसको सरकार बनने के बाद यहां पर रेल कोच का निर्माण शुरू हो गया है।

विरासत से प्रेरणा लेकर भारत को बनाएं मजबूत : राजनाथ

लखनऊ। लविवि के पास आईटी पीठाई पर सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की मूर्ति, दूसरे छोर पर बाबा नीम करौरी द्वारा स्थापित हनुमान मंदिर तथा पीछे की ओर मनकामेश्वर मंदिर है। इनकी वजह से यहां अनवार्य नहीं पनपता है और निरंतर नई संभावनाएं निकलती रहती हैं। स्वाभावी राजनाथ सिंह ने लविवि की स्थापना के 100 साल होने पर इन शब्दों के साथ अपना बधाई संदेश शुरू किया। यह विशिष्ट अतिथि के रूप में वर्चुअली संदेश दे रहे थे। उन्होंने लविवि के शताब्दी होने की एक बड़ी उपलब्धि बताया। कहा, भारत में केवल कुछ विश्वविद्यालयों ने ही यह गौरव शामिल किया है। स्वाभावी ने युवाओं से कहा कि वह देश की समृद्ध संस्कृति और विरासत से प्रेरणा लेकर भारत को मजबूत बनाने की जिम्मेदारी उठाएं। उन्होंने नई शिक्षा नीति बात करते हुए कहा कि यह नीति 'क्या' के साथ 'कैसे' के बारे में सोचने पर भी बात करेगी।

लविवि के पूर्व विद्यार्थियों का सम्मान

लखनऊ। पूर्व विद्यार्थियों के सम्मान का सिलसिला स्थापना दिवस समारोह में भी जारी रहा। उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा तथा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार ने मालिनी अवस्थी, मंत्री सुरेश खन्ना, पत्रकार प्रशांत मिश्रा, गीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार, क्रिकेटर सुरेश रैना, उद्योगपति विक्रम मेहरोत्रा, हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के पुत्र अशोक ध्यानचंद, पद्मश्री डॉ. रवीन्द्र कोचर, हॉकी खिलाड़ी पद्मश्री दीपक ठाकुर, उद्योगपति विक्रम मेहरोत्रा, गीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार, क्रिकेटर सुरेश रैना, उद्योगपति विक्रम मेहरोत्रा, हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के पुत्र अशोक ध्यानचंद, पद्मश्री डॉ. रवीन्द्र कोचर, मूर्तिकार मोहन, आलोक रंजन रचना मुकेश प्रशांत यहां। कार्यक्रम में शताब्दी विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, उपकुलपति प्रो.पी.के. जैन, कुलसचिव प्रो. रमाशंकर सिंह, प्रो. अनुजेश त्रिपाठी, प्रो. रमाकांत पाण्डेय, प्रो. अनुराग श्रीवास्तव, प्रो. अनुराग श्रीवास्तव, प्रो. रमाकांत पाण्डेय

ऊंचे संकल्पों और लक्ष्यों का केन्द्र है विश्वविद्यालय : मोदी

लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह पर प्रधानमंत्री ने विवि परिवार को दी बधाई, कहा-लखनऊ हमा पर फिदा और हम फिदा-ए-लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी उत्सव को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते पीएम मोदी।

अमृत विचार लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने 100 वर्ष पूरे कर लिए हैं, लेकिन ये आंकड़े नहीं बल्कि अपार उपलब्धियों का एक जीता जागता इतिहास है। मेरी ओर से विश्वविद्यालय परिवार को बधाई। ये बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कही।

पीएम मोदी बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के 100 वर्ष पूरे होने पर मनाये जा रहे शताब्दी उत्सव के अंतिम दिन वर्चुअल रूप से संबोधित कर रहे थे। पीएम मोदी ने कहा कि विश्वविद्यालय सिर्फ उच्च शिक्षा का ही केन्द्र नहीं होते, ये ऊंचे संकल्पों, ऊंचे लक्ष्यों को साधने की एक बहुत बड़ी कर्मा भूमि होती है। ये हमारे भीतर की ताकत को जगाने की प्रेरणा स्थली भी है। हम कई बार अपनी सामर्थ्य का पूरा उपयोग नहीं करते हैं। यही समस्या पहले सरकारी तौर तरीकों में भी थी। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय का देश पर बड़ा उपकार है, यहीं से हमने कई हस्तियों को निकलते देखा है जो देश की सेवा में अहम योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहीं पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आवाज गूंजी थी। कल जब संविधान दिवस मनाएंगे तब नेता जी यहां आए थे। उन्होंने कहा कि लखनऊ हम पर फिदा और हम फिदा-ए-लखनऊ। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे जब भी यहां से पढ़कर निकले लोगों से बात करने का मौका मिला है, विवि की बातें करते हुए उनकी आंखों में चमक आ जाती है। पीएम ने रायबरेली की रेल कोच फैक्टरी के बारे में कहा कि कई वर्षों तक वहां सिर्फ डेंटिंग-पेंटिंग का ही काम होता था। 2014 के बाद हमने सोच बदली, तौर तरीका बदला। परिणाम ये हुआ कि कुछ महीने में ही यहां से पहला कोच तैयार हुआ और आज यहां हर साल सैकड़ों कोच तैयार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक जमाने में यूरिया उत्पादन के बहुत से कारखाने थे, फिर भी बाहर से यूरिया आता था। उसका कारण था कि खाद के कारखाने पूरी क्षमता से काम नहीं कर पाते थे। हमने एक के बाद एक फैसले लिये और आज यूरिया कारखाने पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। यूरिया की ब्लैक मार्केटिंग की भी समस्या थी। इसका खामियाजा किसानों को उठाना पड़ता था। यूरिया की नीम कोटिंग करके उसका इलाज भी किया गया। पहले भी नीम कोटिंग हो सकती थी लेकिन नहीं हुई।

प्रख्यात लोक गायिका मालिनी अवस्थी को सम्मानित किया गया। फोटो : अमृत विचार

पीएम मोदी ने विवि प्रशासन को दिया सुझाव

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय प्रशासन को भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि मेरा सुझाव है जिन जिलों में आपका दायरा है, वहां के लोकल कॉलेज, वहां का स्किल विकास सेन्टरीज़ को मिलाया जाए। स्किल्ड, इंटर्न, मार्केटिंग भी वहां का हिस्सा हो सकता है। लखनऊ की विकास्त्री, मृगजावार का पीतल, अर्कोण्ड के तार्ते, भदोही की कालीन इनपर का सिरे से काम हो। वहीं नहीं आर्ट, कल्चर, हेरिटेज की ग्लोबल रीच पर काम किया जाए।

सकारात्मक सोच से जाती है आगे

पीएम मोदी ने कहा कि हमें सिर्फ सकारात्मक सोच ही आगे ले जा सकती है। उन्होंने खादी का उदाहरण देते हुए कहा कि लोगों की खादी को लेकर नकारात्मक सोच थी लेकिन जब सकारात्मकता से आगे बढ़े तो जो खादी 20 में डिग्री बिकती थी वह आज 6 सालों में बिक गयी। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि 2002 में पोरबंदर में महात्मा गांधी के जन्मदिन पर खादी के फैशन शो का आयोजन किया। खादी और यूथ ने मिलकर जिस तरह से मजमा जमाया, उससे सभी पूर्वाग्रह को दूर कर दिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी उत्सव के अंतिम दिन बुधवार को डाक टिकट, विशेष कवर तथा स्मारक सिक्के का विमोचन किया गया। फोटो : अमृत विचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जारी किया विशेष स्मारक डाक टिकट

संबोधन से पहले पीएम मोदी ने एक विशेष स्मारक डाक टिकट और भारतीय डाक विभाग द्वारा जारी विशेष कवर भी जारी किया। पीएम मोदी ने लखनऊ विश्वविद्यालय के नाम पर 100 रुपए का सिक्का भी जारी किया। मैसूर विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय तीसरा ऐसा विश्वविद्यालय होगा जिसके 100 वर्ष पूरे होने पर स्मारक सिक्का जारी किया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी उत्सव के अंतिम दिन बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुनते कार्यक्रम में आए लोग। फोटो : अमृत विचार

स्वतंत्रता आंदोलन का गवाह है लविवि : राजनाथ

इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय के 100 साल पूरे हुए हैं। भारत के सबसे पुराने संस्थानों में से एक ये विश्वविद्यालय स्वतंत्रता आंदोलन का गवाह भी है। उन्होंने कहा कि जब कोई संस्था सौ साल पूरे करती है, जब कोई संस्थान लम्बे समय तक टिका रहे तो यह तय है कि नींव मजबूत थी। डॉ बीरबल सहनी से पूर्व राष्ट्रपति डॉ शंकरदयाल शर्मा यहां रहे। स्टीव जॉब्स एपल संस्थापक भी नीम करौली बाबा के भक्त थे। बाबा नीम करौरी का मंदिर विश्वविद्यालय के सामने है। लविवि का इतिहास और भूगोल दोनों गौरवमयी है।

मुख्यमंत्री व रक्षामंत्री ने किया वृत्तचित्र फिल्म का उद्घाटन

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वर्चुअल तरीके से लखनऊ विश्वविद्यालय के बारे में वृत्तचित्र फिल्म का उद्घाटन किया, जिसे फकारिता और जन संचार विभाग द्वारा तैयार किया गया था। फिर उन्होंने कॉफी टेबल बुक का उद्घाटन किया। वहीं प्रोफेसर निशि पांडे की ओर से लिखित एक अन्य पुस्तक "लखनऊ विश्वविद्यालय : सौ वर्ष का एक ऑडिसी" और अंत में उन्होंने विश्वविद्यालय के शताब्दी कैलेंडर का उद्घाटन किया।

47 साल पुराने छात्र अनूप जलोटा को मिली डिग्री

लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी उत्सव समारोह के अंतिम दिन 47 वर्ष पुराने छात्र भजन सम्राट अनूप जलोटा को दुलपत्ति प्रो. आलोक राय ने डिग्री प्रदान की। उन्होंने अनूप जलोटा ने 1974 में लखनऊ विश्वविद्यालय से बी. ए. उत्तीर्ण किया था। डिग्री मिलते ही श्री जलोटा ने कहा कि यह डिग्री प्राप्त करके मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि जैसे मैं दूसरी बार पद्मश्री से सम्मानित किया जा रहा हूं। उन्होंने यह भी कहा कि जब जब विश्वविद्यालय उन्हें याद करेगा वे लखनऊ विश्वविद्यालय अवश्य आएंगे।

लोकल उत्पाद व कौशल को दें तरजीह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह को किया संबोधित

रायबरेली कोच फैक्ट्री को लेकर साधा निशाना

विशेष संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय से स्थानीय कलाओं और उत्पादों से संबंधित पाठ्यक्रम बनाने का आह्वान किया और स्थानीय उत्पादों के मूल्यवर्धन पर विचार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि लखनऊ की

- लखनऊ यूनिवर्सिटी का स्मारक सिक्का व डाक टिकट जारी

"पिंकाकलरी", मृगजावार के पीतल का सामान, अर्कोण्ड के तार्ते, भदोही के कालीन जैसे उत्पादों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का आह्वान, डॉटर और रायबरेली को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये जाने वाले पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। इससे 'एक जिला, एक उत्पाद' के विचार को हकीकत बनाने ...शेष पृष्ठ 10 पर

लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

आत्मनिर्भर भारत होगा ज्ञानवान : राजनाथ

लखनऊ। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि हमारे आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया है। आत्म निर्भर भारत पराक्रम, ज्ञानवान और परिवारवान भी होगा। स्वामी विवेकानन्द कहते थे कि हमारे देश में संस्कृति व्यक्ति को बनाती है। आप आगे बढ़ेंगे तो भारत आगे बढ़ेगा। आपके साथ भारत की संस्कृति है।

- बाट टू बिक नहीं, हाउ टू बिक सिखाये गये शिक्षा-नीति

रक्षामंत्री ने लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि मेरे ख्याल से आप बड़े भाग्य वान रही हैं। हम पांच ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनेंगे। हम कई बड़े सुधार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सामर्थवान लखनऊ ने चाहे राष्ट्रीय शिक्षा नीति दी है। अभी ...शेष पृष्ठ 10 पर

मांझी इस कश्ती के तलबगार हैं...

योगाभ्यास से होता है शारीरिक व मानसिक क्षमता का विकास

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के शताब्दी समारोह के अंतिम दिन, मालवीय सभागार में आयोजित लिटरेसी कार्यक्रम में, विश्वविद्यालय कैंपस के कवियों द्वारा काव्य पाठ का आयोजन किया गया। इस आयोजन में छात्रों के साथ-साथ कुछ संकाय सदस्यों ने भी भाग लिया। यह कार्यक्रम छात्रों के प्रदर्शन के साथ शुरू किया गया, जिसमें शिवम पहले छात्र थे जिन्होंने अपनी कविता वक्त कम है तो चलिए शुरू की जाए, के साथ अपनी प्रस्तुति शुरू की थी और एक कविता हम निरंतर चलना होगा के साथ समाप्त हुई, जिसे उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई को समर्पित किया। तत्पश्चात, ज्योत्सना सिंह ने प्यासी जमी लहू सारा पिला दीया और जा रहा हूँ घर दूर दुनिया से

लविवि के शताब्दी उत्सव के अंतर्गत बुधवार को छठा योग शिविर लविवि के द्वितीय परिसर के प्रशासनिक भवन के परिसर में सम्पन्न हुआ। योग शिविर के शुभारंभ प्रो. डी.एन. एन.एस. यादव, इंचार्ज द्वितीय परिसर के द्वारा किया गया। योग शिविर के दौरान डॉ यादव ने बताया कि शारीरिक एवं मानसिक संकाय के लिए निरंतर इस प्रकार के योग शिवरों का आयोजन होना चाहिए। योग शिविरों में प्रतिभाग करने से छात्र छात्राओ के शरीरिक विकास के साथ ही साथ उनकी बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होती है, इसलिए इस प्रकार के आयोजन समय की आवश्यकता है। योग शिविर के दौरान डॉ अमरजीत कुलपति छात्रों और संकाय सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने खुद भी अपनी रचना प्रस्तुत की, जो प्रसिद्ध हिंदी कवि रामधारी सिंह दिनकर से प्रेरित थी। इसके बाद प्रोफेसर निशि पांडे द्वारा कुलपति को अंग-वस्त्र से सम्मानित किया गया। इसके बाद डॉ अयाज अहमद इसलाही ने अपनी स्वयं की उर्दू रचनाएं प्रस्तुत की, जैसे मांझी इस कश्ती के तलबगार हैं, और डॉ विनीत कुमार वर्मा ने भी अपनी और की कुछ रचनाएँ प्रस्तुत कीं जिसमे क्या रूप है, रूपा है, हमाल है। इसके अलावा अन्य संकाय से विद्वत सदस्यों ने भी अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। पूरे आयोजन का संचालन फिलॉसफी विभाग के डॉ प्रशांत कुमार शुक्ला ने किया और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर राकेश चंद्र और प्रोफेसर निशि पांडे ने की।

लविवि शताब्दी समारोह

बिछड़ कर प्रस्तुत किया। उदय राज सिंह ने क्या पाया हमने गाया, जबकि हर्षित मिश्रा ने मन में अपने भांग चढ़ाये फिरते है, बादल बरसो ऐसे गाँव में, प्रस्तुत किया। इसके बाद मुदुल पांडे ने है बदली दिशा हवाओं में प्रस्तुत किया। इसके बाद आलोक रंजन ने " कवियों की वाणी में सूर्य का साथ मिले" और " कायम इन अंधेरों का" का प्रदर्शन किया। रिया कुमारी ने एक गीत ऐ वतन भारत हमारा, तू हमारी जान है, गाया। शालीन सिंह ने अंग्रेजी में एक कविता प्रस्तुत की विश्वविद्यालय 100 वर्ष पुराना है। दिव्या तिवारी ने यह कलमकार की दुनिया है, प्रस्तुत किया। तत्पश्चात, कला संकाय से जुड़े कई अन्य छात्रों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं, जिसके बाद प्रोफेसर राम सुमेर यादव, प्रोफेसर वाई पीसिंह, डॉ. कृष्ण जी श्रीवास्तव जैसे कुछ संकाय सदस्यों ने अपनी मौलिक रचनाएँ सुनाई।

इस बीच कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय कार्यक्रम में शामिल हुए और इस आयोजन में भाग लेने के लिए छात्रों और संकाय सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने खुद भी अपनी रचना प्रस्तुत की, जो प्रसिद्ध हिंदी कवि श्री रामधारी सिंह "दिनकर" से प्रेरित थी। डॉ. अयाज अहमद इसलाही ने अपनी स्वयं की उर्दू रचनाएं प्रस्तुत कीं- मांझी इस कश्ती के तलबगार हैं। डॉ. विनीत कुमार वर्मा ने भी रचनाएं पढ़ीं इसके अलावा अन्य संकाय से विद्वत सदस्यों ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। पूरे आयोजन का संचालन फिलॉसफी विभाग के डॉ प्रशांत कुमार शुक्ला ने किया और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर राकेश चंद्र और प्रोफेसर निशि पांडे ने की।

लविवि ने 46 साल बाद भजन सम्राट अनूप जलोटा को बीए की डिग्री दी

लखनऊ। लविवि ने करीब 46 साल बाद भजन सम्राट अनूप जलोटा को बीए की डिग्री दी। बुधवार को कुलपति कार्यालय में कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने यह डिग्री सौंपी। शताब्दी उत्सव में लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने पूर्व छात्र प्रसिद्ध भजन सम्राट अनूप जलोटा को औपचारिक रूप से डिग्री प्रदान की। 1974 में लखनऊ विश्वविद्यालय से बीए उत्तीर्ण किया था। लेकिन डिग्री नहीं ले सके थे। वर्षों बाद डिग्री पाकर भजन सम्राट भावुक हो गए। वह बोले, यह डिग्री प्राप्त करके मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि जैसे मैं दूसरी बार पद्मश्री से सम्मानित किया जा रहा हूं। उन्होंने यह भी कहा कि जब जब विवि उन्हें याद करेगा वे अवश्य आएंगे।

शारीरिक और मानसिक विकास के लिए योग जरूरी

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी उत्सव के अंतिम दिन छठे योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर के इंचार्ज डॉ. एनएन एस यादव बताया कि शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए निरंतर इस प्रकार के योग शिविरों का आयोजन होना चाहिए। योग शिविरों में प्रतिभाग करने से छात्र-छात्राओ के शारीरिक विकास के साथ ही साथ उनकी बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होती है। इसलिए इस प्रकार के आयोजन समय की आवश्यकता है।

डॉ. अमरजीत यादव ने कहा कि शताब्दी वर्ष के अंतर्गत अब तक योग शिविर के छह आयोजन किये जा चुके हैं। योग के आयोजनो की विशेषता यह है इस प्रकार के आयोजन विश्वविद्यालय के सभी फैकल्टी के लिए किया गया और योग शिविर में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि प्रातःकाल योगाभ्यास करने से शरीर की बॉयोलोजिकल क्लॉक ('जैविक घड़ी) ठीक रहती है। जैविक घड़ी के ठीक रहने से व्यक्ति का मूड, मानसिक स्तर ठीक रहता है। साथ ही साथ प्रातःकाल योगाभ्यास कर लेने से हम अपनी बायोलॉजिकल क्लॉक को ठीक करके अपने पाचन, श्वसन आदि की क्रिया को बेहतर कर सकते है।

उन्होंने कहा कि योग आसनों के अभ्यास से उपरोक्त सभी लाभ वैज्ञानिक आधार पर प्रमाणित हो चुके हैं। इसलिए हमे अपनी जीवन शैली में योग को जरूर अपनाना चाहिए।

शिविर

कैंपस के कवियों ने किया काव्य पाठ

अमृत विचार लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के अंतिम दिन लिटरेसी कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कैंपस के कवियों द्वारा काव्य पाठ का आयोजन किया गया। इस आयोजन में छात्रों के साथ-साथ कुछ संकाय सदस्यों ने भी भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम शिवानी छात्रा के प्रदर्शन के साथ शुरू किया गया, जिसमें शिवम पहले छात्र थे जिन्होंने अपनी कविता "वक्त कम है तो चलिए शुरू की जाए" के साथ अपनी प्रस्तुति शुरू की थी और कविता "हम निरंतर चलना होगा" के साथ समाप्त हुई, जिसे उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित किया। शालीन सिंह ने अंग्रेजी में एक कविता प्रस्तुत की "विश्वविद्यालय 100 वर्ष पुराना है"। दिव्या तिवारी ने "यह कलमकार की दुनिया है" प्रस्तुत किया। इसके बाद, कला संकाय से जुड़े कई अन्य छात्रों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं, जिसके बाद प्रोफेसर राम सुमेर यादव, प्रोफेसर वाई पीसिंह, डॉ. कृष्ण श्रीवास्तव समेत कुछ संकाय सदस्यों ने अपनी मौलिक रचनाएं सुनाईं।

इस बीच कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय कार्यक्रम में शामिल हुए और इस आयोजन में भाग लेने के लिए छात्रों और संकाय सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने खुद भी अपनी रचना प्रस्तुत की, जो प्रसिद्ध हिंदी कवि श्री रामधारी सिंह "दिनकर" से प्रेरित थी। डॉ. अयाज अहमद इसलाही ने अपनी स्वयं की उर्दू रचनाएं प्रस्तुत कीं- मांझी इस कश्ती के तलबगार हैं। डॉ. विनीत कुमार वर्मा ने भी रचनाएं पढ़ीं इसके अलावा अन्य संकाय से विद्वत सदस्यों ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। पूरे आयोजन का संचालन फिलॉसफी विभाग के डॉ प्रशांत कुमार शुक्ला ने किया और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर राकेश चंद्र और प्रोफेसर निशि पांडे ने की।

शताब्दी उत्सव के अंतिम दिन छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। फोटो : अमृत विचार

शताब्दी वर्ष के अंतिम संध्या पर छात्रों ने पेश किये गीत और नृत्य

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय शताब्दी समारोह की अंतिम संध्या छात्रों के नाम रही। उन्होंने भले-गुलाबी फोन के साथ ही लखनऊ के इस शताब्दी उत्सव में दो चीजें इतनी लोकप्रिय हो गयीं कि कार्यक्रम के समाप्ती उपरांत भी लोग इन्हें याद करते रहे। इसमें पहली चीज थी- सेल्फी और दूसरी चीज था इस संध्या को सुमधुरता से प्रदान। इसमें मुख्यतः अनूप बैंड के कलाकारों ने कार्यक्रम को चार चाँद लगा दिये।

उनके सम्मानित मंचन के दूसरी रचनी ने कुछ महीन भविष्यता ही गया। जब कार्यक्रम समाप्त की चौकड़ी के साथ मुद्रे ने सबे सुनने लगे, वहाँ कलाकार ने बीन दी गा। उसमेंने के अतिरिक्त हिंदी गीत-गान, लोक-कृत्य और हनुमान के प्रसंगों का महिमा मंडन किया।

केजीमेन महान पत्रकारों पहले दिन... पत्र महिन महान के बाद कलाकारों ने अपनी देह भाषाओं से लोगों को विस्मय की सराहना का अवसर दिया। कलाकारों ने कैजीमेन महान पत्रकारों के बाद कलाकारों ने कैजीमेन महान पत्रकारों के बाद कलाकारों ने कैजीमेन महान पत्रकारों ने... बहुत ने ...गीत मुखड़ा महीन में रंग फोटो। इसके साथ ही उन्होंने अंग्रेजीमेन उन्हाई को महान देने और इसके लिए पूरी की नीति की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थानी की विश्वविद्यालय को कुछ ऐसी लोकप्रिय तैयार करने होंगे कि वह गर्व के साथ यह बात कह सके कि उसने 25 साल में देश के लिए चार उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय को लोकल उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए लोकल उत्पादों पर आधारित कोर्स तैयार करने होंगे। इस